

## पशु जन्म नयित्रण नयिम, 2023

### प्रलमिस के लयि:

[पशु करुरता नविरण अधनियिम, 1960](#), [भारतीय पशु कलयाण बोरड](#), [रेबीज़](#), [राष्ट्रीय रोग नयित्रण केंद्र](#), [वन हेल्थ](#) ।

### मेन्स के लयि:

भारत में रेबीज़ की स्थिति, पशु जन्म नयित्रण नयिम, 2023 ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने पशु जन्म नयित्रण नयिम, 2023 जारी कयि है । यह नयिमपशु जन्म नयित्रण (कुत्ते) नयिम, 2001 का स्थान लेगा, जसिसे [पशु करुरता नविरण अधनियिम, 1960](#) के तहत जारी कयि गया है

## पशु जन्म नयित्रण नयिम, 2023:

### ■ पृष्ठभूमि:

- नवंबर 2022 तक संसद में पेश कयि गए आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 और 2022 के बीच भारत में स्ट्रीट डॉग/ कुत्तों के काटने के 160 मिलियन मामले दर्ज कयि गए ।
- जसिसे कुत्ते के मालकि, कुत्ते के भोजन और देखभाल करने वालों के खलिफ प्रतशिोध के कृत्यों के साथ-साथ शहरी नविसयिों के बीच संघर्ष भी बढ़ गया है ।

### ■ प्रावधान:

- नयिमों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा [भारतीय पशु कलयाण बोरड](#) और आवारा पशुओं को होने वाली परेशानयिों के उन्मूलन के लयि लोगों से संबंधति दशिा-नरिदेशों के अनुसार तैयार कयि गया है ।
  - [सर्वोच्च न्यायालय](#) ने वभिन्नि आदेशों में वशिष रूप से उल्लेख कयि हैक कुत्तों के स्थानांतरण की अनुमति नहीं दी जा सकती है ।
- नयिमों का उद्देश्य पशु जन्म नयित्रण (ABC) कार्यक्रमों के माध्यम से आवारा कुत्तों की नसबंदी और [टीकाकरण](#) के लयि दशिा-नरिदेश प्रदान करना है ।
  - एबीसी कार्यक्रमों को चलाने की ज़मिमेदारी संबंधति स्थानीय नकियायों, [नगर पालकियाओं](#), नगर नगिमों और पंचायतों की है ।
  - नगर नगिमों को [ABC और एंटी रेबीज़ कार्यक्रम को संयुक्त रूप से लागू करने की आवश्यकता](#) है ।
- यह एक क्षेत्र में कुत्तों को स्थानांतरति कयि बिना मानव और आवारा कुत्तों के संघर्ष से नपिटने के तरीके पर दशिा-नरिदेश प्रदान करता है ।
- यह पशु कलयाण सुनश्चिति करने, ABC कार्यक्रमों को चलाने में शामिल करुरता को संबोधति करने पर भी महत्त्व देता है ।

## रेबीज़

### ■ परचिय:

- रेबीज़ एक वैक्सीन द्वारा रोकथाम योग्य [ज़ूनोटकि](#) वशिणु जनति बीमारी है ।
  - एशया और अफ्रीका में 95% से अधिक मानव मौतें इसके कारण होती हैं और यह बीमारी अंटार्कटकि को छोड़कर सभी महाद्वीपों पर देखी गई है ।

### ■ कारण:

- यह [राइबोनयुकलकि एसडि](#) (RNA) वायरस के कारण होता है जो पागल जानवर (कुत्ते, बलिली, बंदर आदि) की लार में मौजूद होता है ।
- यह एक संकरमति पशु के काटने के बाद अनविरय रूप से फैलता है जसिसे घाव में लार और वायरस का प्रवेश होता है ।
  - WHO के अनुसार, कुत्ते मानव रेबीज़ से होने वाली मौतों का मुख्य स्रोत हैं, जो मनुष्यों को रेबीज़ के सभी संचरणों में 99%

तक योगदान देते हैं।

■ भारत में रेबीज़ की स्थिति:

- भारत रेबीज़ के लिये स्थानिक है एवं विश्व में रेबीज़ से होने वाली कुल मौतों में 36% मौतें भारत में देखी गई हैं।
- WHO के अनुसार, भारत में रपिर्ट कयि गए रेबीज़ के लगभग 30-60% मामले और मौतों में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं, क्योंकि जानवर के काटने के कारण बच्चों में उत्पन्न होने वाले लक्षणों की पहचान करना मुश्किल है और इसकी रपिर्ट भी नहीं की जाती है।

■ उपचार:

- रेबीज़ को पालतू जानवरों का टीकाकरण कर, वन्य जीवन से दूर रखकर तथा लक्षणों के शुरू होने से पहले संभावित जोखिम को चकितिसा देखभाल प्रदान करके रोका जा सकता है

■ रेबीज़ नियंत्रण से संबंधित पहल:

○ वैश्विक:

- यूनाइटेड अगेंस्ट रेबीज़ फोरम: UAR फोरम वभिन्न संगठनों, मंत्रालयों एवं देशों के वैश्विक विशेषज्ञों को एक साथ लाता है ताकि वे वर्ष 2030 तक रेबीज़ के कारण होने वाली मृत्यु को शून्य तक लाने के प्रयासों को सुवधाजनक बनाने हेतु विशिष्ट उद्देश्यों एवं गतिविधियों की दिशा में काम कर सकें।

○ भारत की पहल:

- वर्ष 2030 तक कृत्तों से होने वाले रेबीज़ के उनमूलन के लिये राष्ट्रीय कार्ययोजना (National Action Plan For Dog Mediated Rabies Elimination- NAPRE): NAPRE को राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) द्वारा मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के सहयोग से तैयार किया गया था।
- रेबीज़ के उनमूलन हेतु इसका दृष्टिकोण विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं रेबीज़ नियंत्रण के वैश्विक गठबंधन (GARC) जैसी कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की सफारशियों पर आधारित है।

## नषिकर्ष:

- भारत वन हेल्थ नेटवर्क बनाने के लिये उत्सुक है, यह न केवल रेबीज़ बल्कि पशु और मानव स्वास्थ्य तथा अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय एवं संचार के माध्यम से मानव-पशु-पर्यावरण इंटरफेस पर कई स्वास्थ्य जोखिमों की निगरानी तथा स्वास्थ्य प्रणाली को भी मज़बूत करेगा।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/animal-birth-control-rules,-2023>

